एआइ से पौधों का संरक्षण, जीपीएस से निगरानी

ग्रीन भारत समिट के सत्र में अभिषेक प्रकाश, सुनील चौधरी, शक्ति सिंह और डा. सूर्यकांत ने किया संवाद

सत्र सुदृढ़ अर्थव्यवस्था स्वच्छ पर्यावरण

महेन्द्र पाण्डेय • जागरण

लखनऊ : समुद्र पर सेतु बनाने के लिए श्रीराम की सेना में बंदर-भालुओं के साथ गिलहरी ने भी योगदान दिया था। बेहतर अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य हासिल करने के लिए तिनकाभर ही सही, किंतु गिलहरी की भांति सभी को भूमिका निभानी होगी। 'दैनिक जागरण ग्रीन भारत समिट' में 'सुदृढ़ अर्थव्यवस्था-स्वच्छ पर्यावरण' पर चर्चा छिड़ी तो आर्थिकी के नए आयाम प्रशस्त हुए, वहीं पर्यावरण संरक्षण के लिए सबक भी मिले। यह बात भी निकली कि एआइ से पौधों का संरक्षण और जीपीएस से इनकी निगरानी की जा रही है।

सत्र के खेवनहार दैनिक जागरण के वरिष्ठ उप समाचार संपादक पवन तिवारी ने पहला प्रश्न किया- आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) किस प्रकार से पर्यावरण में उपयोगी है? इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश ने बताया कि एआइ टूल का उपयोग पर्यावरण संरक्षण के लिए कर रहे हैं। जीपीएस मैप के जरिये पौधों की निगरानी की जा रही है। अब तो पौधा छह इंच भी बढ़ता है तो सेटेलाइट इमेज से यह पता चल जाता है। पवन तिवारी ने हाल ही में गूगल मैप के सहारे जा रहे लोगों के साथ बरेली में हुई दुर्घटना का उदाहरण देकर पूछा कि ह्यूमन इंटरफेस को खत्म करना कितना कारगर होगा? अभिषेक ने कहा कि डिसीजन मेकर मानव ही होंगे। हम राज्य सकल घरेलू उत्पाद (एसजीडीपी) में पहले पायदान पर कैसे पहुंचेंगे? अभिषेक ने कहा कि चक्रीय अर्थव्यवस्था के तहत कौन सी चीज कहां से आनी है, यह भी महत्वपूर्ण है। अब मटीरियल को रीसाइकिल कर रहे हैं।

हयात होटल में दैनिक जागरण द्वारा आयोजित ग्रीन भारत समिट के ग्रीन इकोनामी क्लीन एनवायरमेंट सत्र में चर्चा के दौरान (दाएं से) केजीएमयू के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. सूर्यकांत, अशोक लीलैंड के जीएम शक्ति सिंह, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश यूपी, उत्तर प्रदेश वन निगम के प्रबंध निदेशक सुनील चौधरी और वरिष्ठ उप समाचार संपादक पवन तिवारी • जागरण

पवन तिवारी अब प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी से मुखातिब हुए। प्रश्न किया- ईको टूरिज्म की दिशा में किए गए प्रयास कितने सार्थक हुए? चौधरी ने पीलीभीत, दुधवा, अमनगढ़ के साथ चित्रकूट के रानीपुर टाइगर रिजर्व का उदाहरण देते हुए कहा कि इन सभी को पर्यटकों से जोड़ा रहा है। हमारे 14 पक्षी विहार भी हैं। इनकी बुकिंग भी आनलाइन होती है।

अब चर्चा ई-वीकल की ओर मुड़ी। कहा जा रहा है कि सितंबर 2025 तक अशोक लीलैंड की ई-वीकल आने लगेंगी, क्या हम सही दिशा में हैं? अशोक लीलैंड के महाप्रबंधक शक्ति सिंह ने कहा कि उम्मीद है कि 20 अक्टूबर तक पहली गाड़ी बना लेंगे। शक्ति सिंह ने बताया कि हमारे प्लांट से कोई भी वेस्ट बाहर नहीं जाएगा। 500 किलोमीटर से अधिक दूरी से हम कोई भी सामान नहीं लाएंगे। ऐसे गिलहरी प्रयास से ही आर्थिकी और पर्यावरण के लक्ष्य पूरे होंगे।

नाइट सफारी के लिए नहीं कटेगा कोई भी पेड़

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी ने प्रजेंटेशन से बताया कि 35 करोड़ पौधे प्रति वर्ष लगाने का लक्ष्य है। वित्तीय वर्ष 2026-27 तक 175 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। 54 करोड़ पौधे अभी नर्सियों में उपलब्ध हैं। एक श्रोता के प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि कुकरैल नाइट सफारी से कोई भी पेड़ नहीं कटेगा।

100 से अधिक एक्यूआइ तो मास्क लगाकर बाहर निकलें

दिल्ली गैस चैंबर बन गई है। लखनऊ के हालात क्या हैं? केजीएमयू के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डा. सूर्यकांत ने कहा कि 28 नवंबर को लखनऊ का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) 190 था। वैसे 50 एक्यूआइ हो तो अच्छा है, लेकिन इतना शायद ही प्रदेश के किसी जिले में होगा। उन्होंने सभी को वायु मित्र बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आप प्रतिदिन सोने से पहले सोचें कि वायु प्रदूषण मेरे कारण तो नहीं बढ़ रहा है। अगर आप धूमपान करते हैं तो 30 प्रतिशत धुआं आपके फेफड़े में जाता है। बाकी 70 प्रतिशत बाहर रह जाता है। डा. सूर्यकांत ने कहा कि गर्भस्थ प्लसेंटा के जरिये सांस लेता है। उसका तो कोई दोष नहीं है प्रदूषण में, किंतु प्रदूषण के कारण गर्भ में उसकी मौत तक हो सकती है। अगर 100 से अधिक एक्यूआइ है तो मास्क के बिना बाहर न निकलें। मास्क नहीं है तो रूमाल, गमछा या दुपट्टे का उपयोग करें। वायु प्रदूषण से बचने के लिए पांच मिनट भाप लें।

उत्तर प्रदेश में 9.25 लाख ई-वाहन हैं पंजीकृत

जासं, लखनऊ, जागरण : उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य लेकर रहा है। देश में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों में यूपी सबसे आगे है, इसमें तिपहिया वाहन की बिक्री में प्रदेश का दबदबा बनाया, जबकि कर्नाटक दोपहिया वाहन और महाराष्ट्र चार पहिया ई वाहन खंड में सबसे आगे है।

समिट में इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश ने बताया कि प्रदेश सरकार ईवी मोबिलिटी पालिसी 2022 के माध्यम से प्रदूषण मुक्त परिवहन की दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2070 तक कार्बन उत्सर्जन के नेट जीरो लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रदेश में तेजी से काम हो रहा है। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिवहन को प्रदूषण मुक्त करने, स्वच्छ और हरित भविष्य के लिए ई वाहनों को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए कल्पना की। आज सबसे अधिक उत्तर प्रदेश में 9.65 लाख ई वाहन पंजीकृत हैं। देश की सड़कों पर चलने वाले कुल ई वाहनों का यह करीब 25 प्रतिशत है।

ईवी इन्वेस्ट यूपी का प्रजेंटेशन में सभी आंकड़ों को रखते हुए बताया कि प्रदेश में ईवी के दोपहिया, चार पहिया, वाणिज्यिक वाहनों पर अलग-अलग सब्सिडी दी जा रही है। कहा कि प्रदेश में देश का 40 प्रतिशत एक्सप्रेसवे है। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड कोरिडोर, 16 एयरपोर्ट, सबसे लंबी रेल कनेक्टिविटी, वाटरवेज, रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम है। आज देश सोलर बायो फ्यूल भी एक्सपोर्ट कर रहा है। प्रदेश में निवेशकों, उद्यमियों की सुविधा के लिए शुरू किए निवेश मित्र, निवेश सारथी, आनलाइन इनसेंटिव मैनेजमेंट सिस्टम की चर्चा करते हुए अभिषेक प्रकाश ने बताया कि निवेश मित्र पर 41 विभाग पंजीकृत हैं। निवेश सारथी पर आनलाइन एमओयू की सुविधा निवेशकों के लिए है। उन्होंने उद्यमियों को निवेश पोर्टल का उपयोग करने और नीतियों का लाभ उठाने की अपील की।